लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4612

22 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग में संयुक्त उद्यम

†4612. श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार/सेल का विचार चवारा कोल्लम, केरल में संयुक्त उद्यम के रूप में टाइटेनियम स्पॉन्ज फैक्टरी स्थापित करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) उक्त फैक्ट्री के कब तक स्थापित होने की संभावना है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) से (ग) : जी, हॉं। केरल में संयुक्त उद्यम में चरणबद्ध तरीके से एक टाईटेनियम स्पांज और मेटल कॉम्प्लेक्स की स्थापना की संभावनाओं का संयुक्त रूप से पता लगाने के लिए सेल और केरल सरकार की ओर से केरल स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (केएसआईडीसी) एवं केरल मिनरल्स एंड मेटल्स लिमिटेड (केएमएमएल) के बीच दिनांक 04.04.2013 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है।

टाइटेनियम स्पांज परियोजना (10,000 मिट्रिक टन वार्षिक क्षमता) की तकनीकी और वित्तीय व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए गठित सेल और जीओके की एक संयुक्त समिति ने मेकॉन द्वारा तैयार प्रौद्योगिकी-आर्थिकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) के आधार पर प्राथमिक अध्ययन पूरा कर लिया है। टीईएफआर के अनुसार, परियोजना की वित्तीय व्यवहार्यता नवीनतम किफायती प्रौद्योगिकियों, जो अभी तक भारत में उपलब्ध नहीं है, पर निर्भर करती है। अग्रणी वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से प्रौद्योगिकी प्राप्त करने से संबंधित प्रयास ज्यादा उत्साहवर्द्धक नहीं रहे हैं और आगे की कार्रवाई टाईटेनियम उत्पादन की प्रौद्योगिकी की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

*****